Nicobarese Tribes

1086. Shrimati Savitri Nigam: Will the Minister of **Home Affairs** be pleased to state:

(a) the concrete steps Government have recently taken to stop the economic exploitation of the Nicobarese tribes by the monopolist-licensed-traders in Nicobar Islands; and

(b) the reasons for not raising the minimum purchase rates for Nicobarese produce, prescribed in the trade licence since 1960 consequent upon sharp increase in the selling price of Copra and betelnuts in Calcutta market?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Hajarnavis): (a) The steps taken are:

1. The minimum purchase prices of Betelnut, Copra and Coconut have been raised with effect from 1st July 1963.

2. A special officer has been appointed to keep a continuous watch on the working of the licensed trading companies with a view to ensuring strict observation of the conditions of the trading licences.

3. The administrative set up in the Nicobar Islands has been strengthened to organise the Nicobarese to take over and handle the entire trade themselves as soon as it is feasible.

(b) The minimum purchase rates could not be raised earlier as the entire working of the licensed trading company was under examination.

Construction of Jetty in Andamans

1087. Shrimati Savitri Nigam: Will the Minister of **Home Affairs** be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 1210 on the 27th March, 1963 and state the amount of charges levied for the unauthorised construction of the jetty at Dundas Point (Andamans) and the amount paid by the firm?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Hajarnavis): Charges levied amounted to Rs. 1589 which were paid by the firm in full.

राष्ट्रीय पुस्तक प्रन्यास

१०८८. **श्री कछवाय :**
श्री विश्राम प्रसाद :
श्री ब्रजराज सिंह :

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों में राष्ट्रीय पुस्तक प्रन्यास को केन्द्र से प्रति वर्ष कितना धन दिया जाता रहा है ,

(ख) राष्ट्रीय पुस्तक प्रन्यास को जो इमारत दी गयी है उसका वार्षिक किराया कितना लिया जाता है और वह किस शर्त पर दी गयी है ; और

(ग) इस समय राष्ट्रीय पुस्तक प्रन्यास के कौन कौन सदस्य हैं ?

शिक्षा मंत्री (डा० का० ला० श्रीमाली):

(क) १९६०–६१ १,८५,३०० रुपये
१९६१–६२ ३,००,००० ,,
१९६२–६३ २,५०,००० ,,

(ख) सरकार ने राष्ट्रीय पुस्तक न्यास को कई स्थान नहीं दिया है । न्यास ने, जोकि स्वायत्तशासी निकाय है, सीधे ही एक भवन २८,८०० रुपये वार्षिक किराए पर ले रखा है ।

(ग) (१) डा० बी० वी० केसकर, अवैतनिक अध्यक्ष
(२) श्री रमाप्रसन्न नायक, प्रतिनिधि, शिक्षा मंत्रालय
(३) श्री आर० एच० चिश्ती, प्रतिनिधि, वैज्ञानिक

अनुसंधान तथा सांस्कृतिक कार्य मंत्रालय

(४) श्री के० आर० कृपलानी, प्रतिनिधि, साहित्य अकादमी

(५) श्री पी० सी० भट्टाचार्य, प्रतिनिधि, वित्त मंत्रालय

(६) श्री नवाब सिंह, प्रतितिधि, सूचना तथा प्रसार मंत्रालय

(७) श्री यू० एस० मोहनराव, निदेशक, प्रकाशन प्रभाग (पदेन)

(८) श्री बी० वी० (मामा) वरेरकर

(९) प्रो० रामधारी सिंह दिनकर'

(१०) डा० निहार रंजनरे

(११) प्रो० एम० मुजीब

(१२) महामहोपाध्याय डी० वी० पोद्दार

(१३) श्री एस० गोविंदराजुलु

(१४) प्रो० वी० के० एन० मेनन

(१५) डा० एक० वरदराजन

(१६) डा० मुल्कराज आनन्द

(१७) श्री बी० एस० केशवन

(१८) श्री पी० एस० जयसिंघे

(१९) श्री भगवती चरण वर्मा

ट्रांसमिटर का पकड़ा जाना

१०८९. **श्री कछवाय :**
श्री विश्राम प्रसाद :
श्री ब्रजराज सिंह :
श्री बड़े :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि वारासिवनी (मध्य प्रदेश) में किसी प्रसिद्ध कम्युनिस्टि के यहां कोई ट्रांसमिटर पकड़ा गया है ;

(ख) वह ट्रांसमीटर कितने दिनों से उसके पास था ; और

(ग) उस व्यक्ति के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री हजरतवीस) : (क) २४ जून, १९६३ को एक ट्रांसमीटर एक ऐसे व्यक्ति के पास से बरामद किया गया था, जिसका किसी राजनैकि दल से सम्बन्ध नहीं है । यह (ट्रांसमीटर) उस व्यक्ति के पिता की दुकान में पकड़ा गया था जो कि एक मुख्य कम्युनिस्ट है ।

(ख) यह ट्रांसमिटर पकड़ने से एक दिन पहले ही तैयार किया गया था ।

(ग) पुलिस ने इंडियन वायरलेस टेलीग्राफी एक्ट, १९३३ की धारा ३, ६(१–ए) के अधीन चालान दर्ज कर लिया है ।

गोरखपुर जिले में खुदाई

१०९०. **श्री विश्वनाथ पांडेय** : क्या **वैज्ञानिक अनुसंधान और सांस्कृतिक-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या १९६२–६३ में पुरातत्व विभाग ने उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में कोई खुदाई का काम किया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या वहां कोई पुरानी वस्तुयें (मूर्तियां) मिली हैं और वे किस संग्रहालय में रखी गई हैं ; और

(ग) उक्त खुदाई के काम पर कितनी राशि खर्च हुई है ?

वैज्ञानिक अनुसंधान और सांस्कृतिक-कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (डा० म० मो० दास) : (क) जी नहीं ।

(ख) और (ग) सवाल पैदा न होता ।